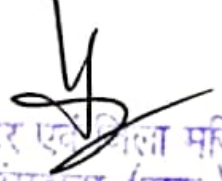


13/9/23
संलग्न कुंजी

डॉ. ए. जिला मजिस्ट्रेट
बांसवाड़ा (राज.)

पत्रावली पेश हुई वकील पार्थी एवं अध्यायी सं. 1.
उपस्थित। अध्यायी सं. 2 अनुपस्थित। वकील पार्थी
ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि पार्थी
वित्तिग संस्था त्रुटी के विरुद्ध कार्यवाही नहीं चाहते
हैं एवं प्रकरण विधर्मा करना चाहते हैं। पार्थी द्वारा
प्रस्तुत विधर्मा का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर
विचाराधीन प्रकरण प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 14
अनुच्छेद 1 एक्ट 2002 इपी स्ट्रेज पर निरस्त किया जाता
है। पत्रावली के मात शुमार होकर 5000 थी।


डॉ. ए. जिला मजिस्ट्रेट
बांसवाड़ा (राज.)

